

5/5/01

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

₹.5000

पाँच हजार रुपये

Rs.5000

FIVE THOUSAND RUPEES

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

B 473075



प्रमाणित  
Signature  
Date: 10/10/2000 U.P.

विवरण-पटा

लेला पत्र का संहित विवरण

1. भूग्री का प्रकार : कृषि
2. जनगण : सर्वाङ्ग
3. शाम : अहमदाबाद
4. सम्पत्ति का विवरण : भूग्री ऊसदा संख्या- 750/4  
(सम्पत्ति नं.)
5. मापदण्ड की इकाई : हेक्टेएक्टर
6. विवरित सम्पत्ति का क्षेत्रफल : 0.009 हेक्टेएक्टर
7. सम्पत्ति का प्रबास : कृषि

प्रबास

प्रमाणित पत्र/ट्रॉक्स द्वारा दिया गया

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

₹.5000

पाँच हजार रुपये

Rs.5000

FIVE THOUSAND RUPEES

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

B-123077

- 2 -

8.	पेशी का मुख्यालय	:	कोई पेश नहीं
9.	बोरिग/स्कूल/अन्य	:	नहीं
10.	प्राप्तिपद्धति यी प्रवर्तनाशी	:	₹० २,००,०००/-
11.	मालिन्यता	:	₹० १,९४,६६३/-
12.	स्टाम्प	:	₹० २०,०००/-

चौहानी

सासारा संख्या-750/4

पूर्ण	:	सासारा संख्या-756
परिचय	:	सासारा संख्या-745, 748
उत्तर	:	सासारा संख्या-752, 751
दक्षिण	:	सासारा संख्या-748, 749

ग्रामीण विभाग

ग्रामीण विभाग

ग्रामीण विभाग

ग्रामीण

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

₹.5000

पाँच हजार रुपये

Rs.5000

FIVE THOUSAND RUPEES

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

B-469000

- 3 -

प्रथम पक्ष की संख्या-01

द्वितीय पक्ष की संख्या-01

विक्रेता का विवरण

श्रीमती चित्ता फली चूल  
चन्द्र धाबा, निवासी- ग्राम  
आहमामऊ अर्जुनगढ़,  
परगांव, तहसील व जिला  
ताप्तीनकु

व्यवसाय - शूष्णि

क्रेता का विवरण

अन्तल बापटीज एण्ड इन्डस्ट्रीज  
लिमिटेड द्वारा श्री अर्थिका प्रसाद  
द्विवेदी पुत्र बेनी प्रसाद द्विवेदी, वडिल  
प्रबन्धक (समन्वय), वार्तामान  
गांव-त्रूतीय गल, चार्झपारम्परीपाल  
निलिंग, 18-टामा मताप भार्ग  
लालानऊ।

व्यवसाय-व्यापार

चित्ता

पक्षी नं. 100



भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

₹.5000

पाँच हजार रुपये

Rs.5000

FIVE THOUSAND RUPEES

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

B 488619

- 4 -

विज्ञाय विलेन्स

इह विज्ञाय विलेन्स श्रीमती धित्रा पत्नी कृष्ण चन्द्र  
यात्र्य, निवासी- साम आहमारक अर्जुनगंगा, पटगाना,  
ताहलीका व जिला लखणारक जिन्हे आगे विस्तृता यज्हा गवा  
हो, एवम् जनसत्त्वां प्राप्तीज्ञ एवं हमागल्ड्सफर्ट लिमिटेड द्वारा श्री  
आंधिका प्रसाद दिवेदी पुत्र केनी प्रसाद दिवेदी, बाटिल प्रकाश  
(लापनात), बर्तमान पता-नुसीव तल, बाह्यएमार्टीएम विलेन्स,

दिवेदी

Printed in India by  
Rajesh Printers & Publishers

१३-दोना प्रताप द्वारा लखनऊ जिन्हें आगे लोको बढ़ा गया  
है, के मध्य निष्पादित किया गया।

यह कि विक्रेता खट्टार्सिंक खाना खतीनी क्रम  
संख्या-००४८८ के अनुसार मृदि भूमि संख्या नं० ७५०/४  
रखना रकम ०.०८८ हेक्टेएर, सिल ग्राम-अहमामऊ,  
पटना, तहसील य जिला लखनऊ या गालिक काशिल य  
काशिल है। जो कि विक्रेता को द्वारा बसीयत प्राप्त हुई है,  
जिसका अमल दृष्टान्त रायस्व अभिलेखों में हो पुका है।  
खट्टार्सिंक खतीनी संख्या-००४८८ फलाली वर्ष १४०० से  
१४१४ के अनुसार उसकमणीय हो ते हिन्दू शौमिक  
अधिकार प्राप्त होने का वर्ष १३५५ फलाली है, अर्थात्  
विक्रेता या यद्या १० वर्ष से अधिक पुराना है, इसलिए  
शासनादेश अनुसार विक्रेता को संकेमणीय अधिकार प्राप्त  
हो गया है। उन्होंने आज विक्रेता यो बदले य दस्तखत  
मालिकता में मौजूद है और जो कहीं विक्रय, हिँड़,  
छाणमार, गुर्जर, व जपानत आदि से ग्राहित नहीं है, उन्होंने  
आठजी में किटी अन्य व्यक्ति को बोई त्वारित एवं

आविष्कार नहीं है और न ही कोई व्यक्ति मार्गीदार है, अब  
कलरम लुट विक्रेता के उपरी आठांशी दक्षता उपरोक्त को  
पूरी द्वासित एवं अविकारी जाहिर भिना छोड़े किसी चौज व  
एक के लूट लोग व समझायाट भिना किसी दक्षता के, खट्टाज  
मुख्लिंग रु० २,००,०००/- (लघुवा वी लाख मात्र) होते हैं  
अन्तल प्रापटील एष इन्डियालस्ट्रेट लिमिटेड द्वारा शी  
अभिका प्रसाद द्विदी पुत्र बेनी प्रसाद द्विदी, चट्टान  
प्रभनगक (संभन्धन), वर्तमान पता—कृष्णगढ़ राज.  
वार्षिकमध्यरिक्षण विलिंग, १३—राजा प्रलाप महां लखनऊ  
के बत गताई विना, और युव विनाय धनदाशि वन्न  
ताहरीर दलावेज हाजा झोता उपरोक्त से भीवे दिये गये  
विवरण को अन्तर प्राप्त वाटको काजा व दक्षल मालिकाना  
आठांशी बदशुदा फट आज की तारीख से छोता उपरोक्त का  
बाक्की बखूबी करा दिया, अब विक्रेता व वारिसान विक्रेता  
को कोई रुप व दावा निकला आठांशी बदशुदा व विक्रेता  
धनदाशि के लेता से गाढ़ी नहीं रहा, अगर कोई शर्करा  
दावा रहे तो वह विक्रेता नाजावज होवे, और अगर



आदानी बबूला पूर्ण आधवा उसका कोई अंश फ्रेता को स्वागित्य है अधिकारी से निकल जाये या क्या न मिले तो कहीं विक्रम, लिंग, फलामाट, बुजाँ व जम्मनत आदि से सहित पार्ही जाती है तो ऐसी रिखानि में फ्रेता को अधिकार होगा कि वह अपना बुल विक्रम बनादिया गय हजाँ-लाचाँ व गुकासान को सब विक्रेता व बाहिसान विक्रेता से व विक्रेता यी अच्छा सम्पत्ति छल व अचल से जरिबे न्यावासन घास कर लेवे, इसमें विक्रेता व बाहिसान विक्रेता को कोई आपत्ति नहीं होगी।

अब फ्रेता उपरोक्ता यो पूजा अधिकार है कि वह विक्रीता आदानी के लाभन्ति में दावहत सरकारी अस्थिरोद्धारों में अपने नाम दाखिल-छालिय करा लेवे ।

आदानी उपरोक्ता में लौती होती है, आदानी उपरोक्त में बेड, दृष्टवेल, बुजाँ व झगारत आदि नहीं है। आदानी उपरोक्त के 200 मीटर विक्ष्या में कोई निर्माण आदि नहीं है।

आटाजी उपरोक्ता विलीन स्थिति मार्ग इनपद्धीत गार्ग न  
हास्योदय हाजगार्ग पर स्थित नहीं है।

आटाजी स्थित साम अहमाभज, पटगाना लखनऊ की  
अपेक्षाग्रीय सेत्र के अति विशिष्ट साम के अन्तर्गत आहा है  
जो नगर निगम सीमा के बाहर स्थित है जिसकी कृषि भूमि  
की बाजार कीमत 17,50,000/- रुपया प्रति हेक्टेएक्ट की  
दर से निर्धारित है जिसमें रही रुपयनी आवृद्धिदार है इसलिए  
25 प्रतिशत बढ़ावार रु 21,87,500/- प्रति हेक्टेएक्ट होती  
है जिसके अन्तर्गत विलीन भूमि रकमा 0.089 हेक्टेएक्ट भूमि  
की बाजार मालियत रु 1,94,688/- होती है जो कि  
विक्रय मूल्य ही कम है अतः निवासनुसार विक्रय मूल्य पर  
आकर्षण सुलक 20,000/- के अदा किये जा रहे हैं।

उपरोक्ता आटाजी मुक्ता गार्ग सुलगानपुर दोड से 500  
मीटर ही अधिक दूरी पर स्थित है।



विलीन

विक्रेता अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति का सदस्य नहीं है। उक्त आदाओं किसी कोर्जा व बिहारी लालकारी व अर्ध लालकारी सदस्या हारा अधिगृहीत नहीं है।

### विवरण भुगतान

1. विक्रेता को ₹ 1,00,000/- (एकपक्षा एक लाख मात्र) हारा चेक संख्या-111700 दिनांकित 08.03.2007 पंजाब नेशनल बैंक राज्या हजरतगंज, ललनक झेता से प्राप्त हुए।
2. विक्रेता को ₹ 1,00,000/- (एकपक्षा एक लाख मात्र) हारा चेक संख्या- ५८६६५४ दिनांकित 23.05.2007 पंजाब नेशनल बैंक राज्या हजरतगंज, ललनक झेता से प्राप्त हुए।  
इस प्रकार कुल विक्रेता मूल्य ₹ 2,00,000/- (एकपक्षा दो लाख मात्र) विक्रेता ने ब्रेता से वसूल पाया।

लिहाजा यह दस्तावेज विक्रेता ने अपनी छुहरी व लड़ामन्दी से मूल सौष व समश्वयट किए किसी दबाव के, ब्रेता उपरोक्त के पक्ष में लिल दिया जाएं सदा छोड़ और बक्ता अलंकृत पर काम आयें।

मुक्त विक्रेता  
विक्रेता विक्रेता

विक्रेता

308,200 (3) 195,000 (3)

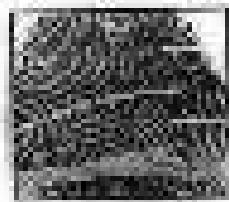
दिल्ली रामेश्वर  
की बैठकों के लिये  
दुर्गा / ननी की दृश्यमान प्रदर्शन  
के लिये तृतीय  
विद्यालय की एक छात्रावास पर  
उपस्थिति करा  
देवदत्त विजयनाथ दुर्गा वाराणसी में  
कर्तव्य विकल्प में भी लिया।

17

4,000.00 20 4/05/00 1,000

प्राचीन विद्या के लिए अद्वितीय संग्रह।

१५८



साहेबी शुद्धना  
मिय निवासक (प्रौद्योग )  
लखनऊ

जिसके लिए यह वार्षिक अवधि का अनुदान दिया जाता है।

2020-01

10

Digitized by srujanika@gmail.com

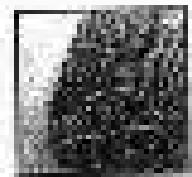
प्राचीन विद्या

卷之三

**Prachi SPA Services & Retail Management**

A small, square grayscale image showing a highly textured surface, possibly a close-up of a material like sand or gravel.

प्रिया  
दुर्लभतारी अन्वयन समय एक दृष्टिकोण में ज्ञान-विद्या के दृष्टिकोण  
प्रसार दिखाती है।  
दुर्लभतारी की कौन सी प्रकाशन दिखाती है।  
प्रकाशन का विषय  
प्रकाशनी 13, राजा राधापुराम, गोदावरी



3 Pages - Page 1

प्रियोगी वाचनी

— 4 —

www.ijerph.com

#### **Results**

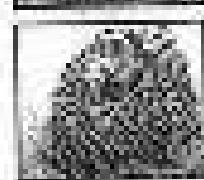
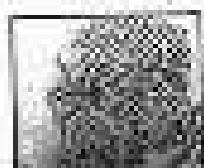
Digitized by srujanika@gmail.com

77

卷之三

4

2000-2001: [www.ams.org/proc/2000-2001](http://www.ams.org/proc/2000-2001)



पांडेय शुभ्रा  
पाप निवारक (दिलीप )  
अस्थानक  
१८०५२००७

अतः अस्ति उम्म्य पालों ने इस विज्ञाय विलेख पर  
अपने-अपने हस्ताक्षर लगके हस्त निष्पादित किया।

गोट : गुण संख्या-७ पर चेक संख्या बैन से जिस्टी है।

दिनांक: 23.05.2007

लखनऊ

गवाहान:

ब्रैह्मा की पहचान की

1. श्री रामचन्द्र द्वारा दिल्ली में  
दिनांक 23.05.2007  
पर चेक संख्या-७ पर लगाया गया है।

निरुला

विक्रेता

विक्रेता की पहचान की

2. श्री रामचन्द्र द्वारा दिल्ली में  
दिनांक 23.05.2007  
पर चेक संख्या-७ पर लगाया गया है।

निरुला 110

विक्रेता

मसाविदाकर्ता:

(राम्य लालेही)

एडमोनेट,

टाइपरकर्ता:

(राम्य लालेही)

रिप्रिल कॉर्प., लखनऊ

**राजित**

Registration No. 5163

Year : 2007

Book No.

1

क्रीति देवी

ग्रन्थालय

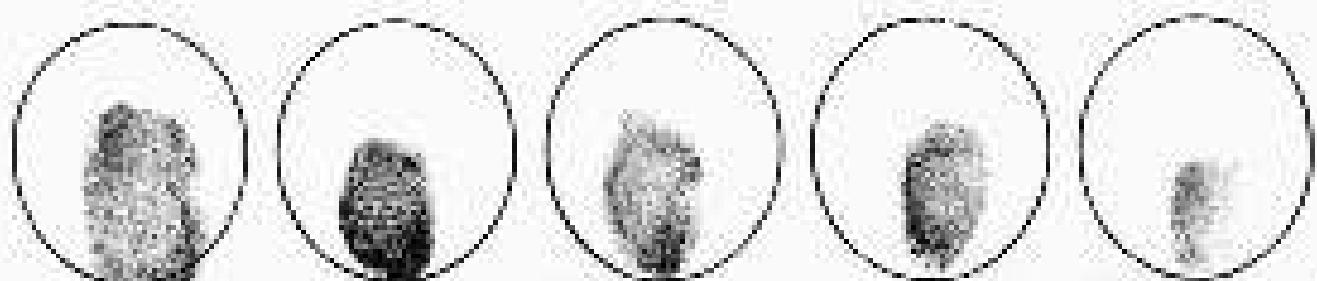
प्रशासनिक विभाग-मुख्यालय

ग्रन्थ

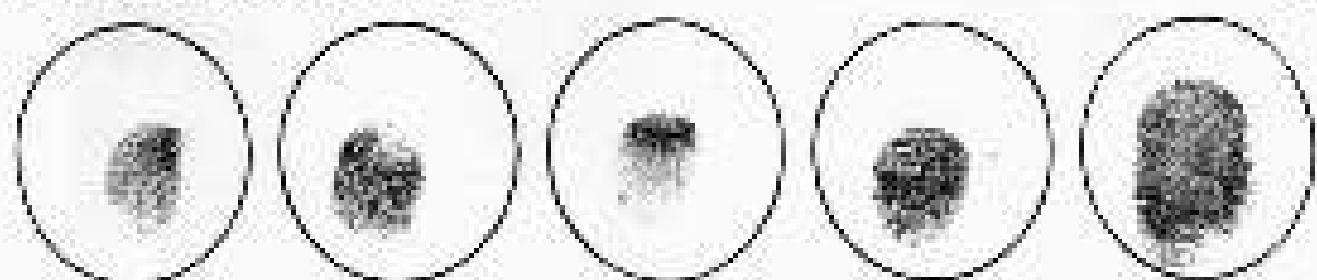


रजिस्ट्रेशन अधिनो 1908 की धारा-32 ए० के अनुपालन हेतु,  
फिंगर प्रिन्ट्स

प्रस्तुतकर्ता / विक्रेता नाम व पता - ..... निम्न खंडों में से चाहे किसी भी खंड का उल्लंघन नहीं किया गया है .....  
वार्षिक दायरे के अनुलियों के बिन्दु : -



दाइने दायरे के अनुलियों के बिन्दु : -

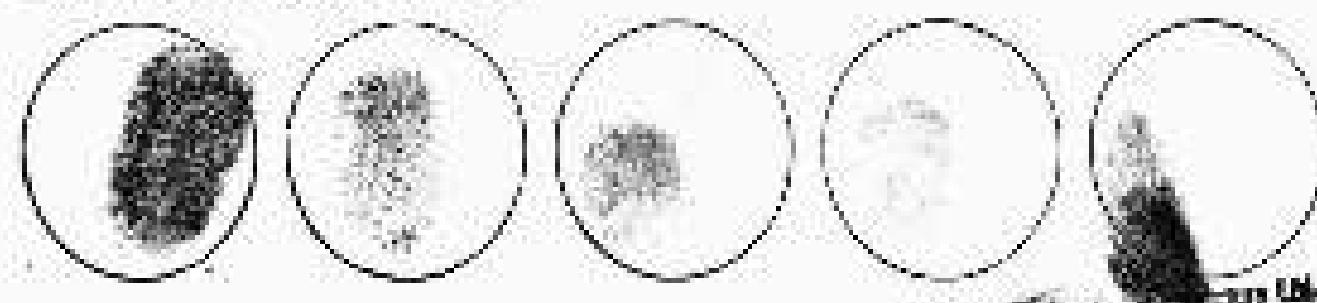


प्रस्तुतकर्ता / विक्रेता / ऑफिस के उत्तापन  
विक्रेता / ऑफिस नाम व पता : ..... निम्न खंड भी उल्लंघन  
किया गया है, जबकि निम्न खंड का उल्लंघन नहीं किया गया है .....

बाये दायरे के अनुलियों के बिन्दु : -



दाइने दायरे के अनुलियों के बिन्दु : -



विक्रेता / ऑफिस के उत्तापन

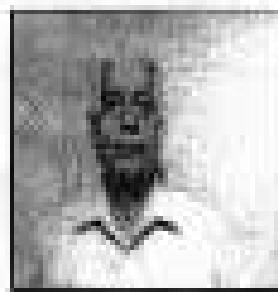
## टेक्स्ट

संग्रहालय का नाम: विद्यालयीक संग्रहालय

वर्ष: २००७

पुस्तक का नाम:

नाम: अल्पांशु राजनीति विद्यालयीक संग्रहालय  
पर्याप्त ज्ञान दिलाई।  
११ अगस्त २००७  
प्रबन्ध



# नवेशा नजारी

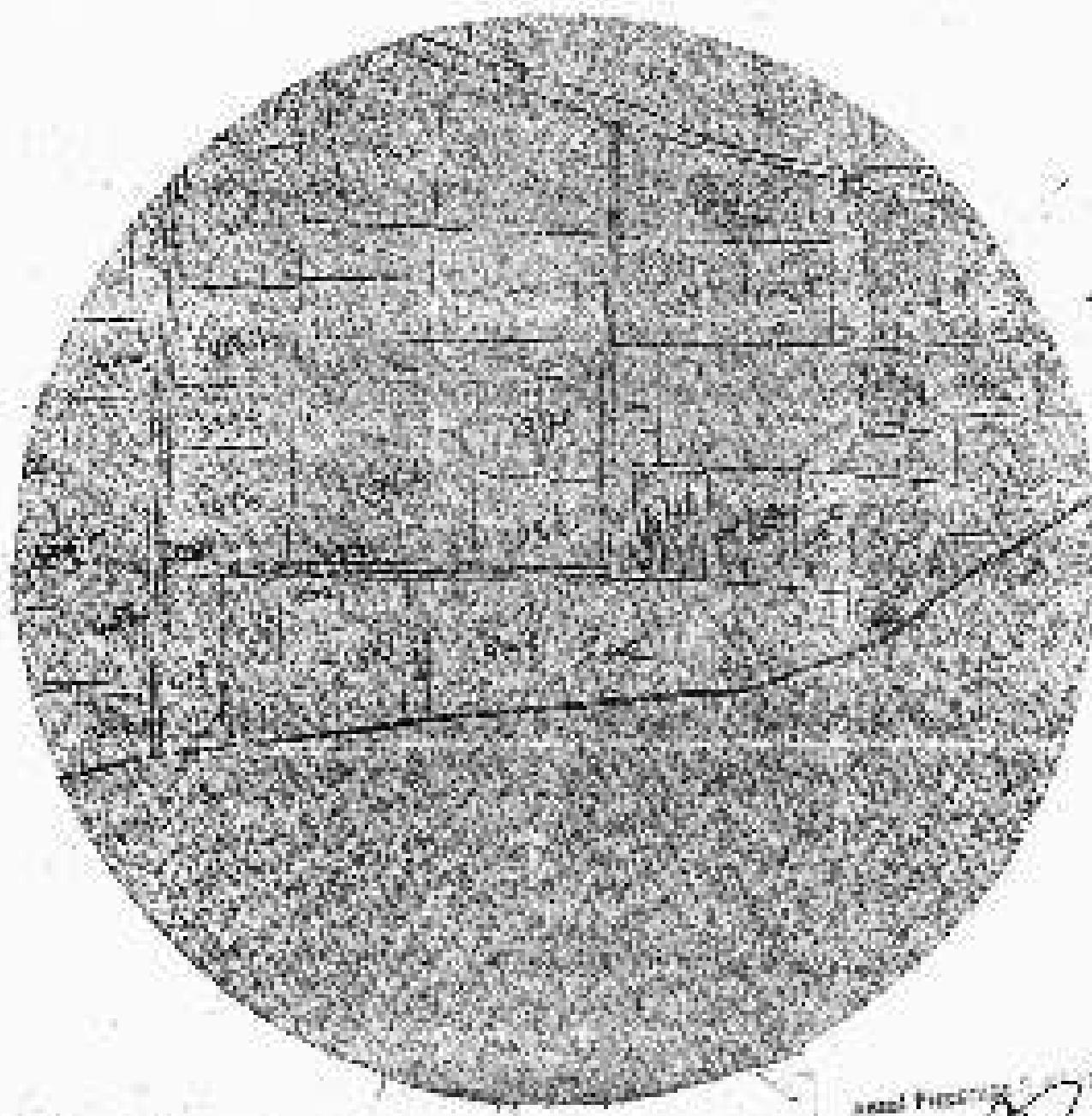
शास्त्र : अस्त्राभूमि

दायरा राज्य - २५०/१

ठिकेता : गोपनी योगी द्वारा उत्तर कर्मकाल

क्रेता : R.P.C. कला प्रौद्योगिकी विभाग

प्रियमिति सन्देशो के देवान् शिखर समरत सम्बलियो का विचरण



देवान्

